the level of Rs. 95 crores worth of handicrafts. We are going to revise the target for the remaining period of the Plan. As regards making studies, etc., we have got officers who go about and organise exhibitions, etc. in foreign countries for popularising our handicrafts. The demand for our handicrafts has been increasing. There has been some shortfall in respect of particu'ar items like carpets, etc. specially in U.K. We are trying to catch up with that I must say that the prospect of export of handicrafts is really very bright.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA : What percentage of the total production of handicrafts is exported and which are the countries that are the largest consumers of our handicrafts ?

SHRI L. N. MISHRA : I require notice for that. I can give the figures later.

श्री हुकम चन्द कछवाय : हमारे देश में हस्तशिल्प उद्योगों के द्वारा जो सामान तैयार किया जाता है, हम उस को बहुत बड़ी मात्रा में बाहर भेजते हैं और आगे भी भेजेंगे । लेकिन जो इस सामान को हाथ से बनाने वाले कारीगर लोग है, उन को जितना मुनाफा मिलना चाहिए, वह उन्हें नही मिलता है । क्या सरकार कोई ऐसी व्यवस्था करने जा रही है कि उन लोगों को अपने माल का उचित और पूरा पैसा मिले ? क्या सरकार इस बात की भी व्यवस्था करेगी कि जिन देशों में इस सामान की मांग है, उन लोगों को वहां जाने की सुविधा दी जाये ताकि वे स्वयं देख सकें कि वहां कौन सा माल खप सकता है और उन को प्रोत्साहन मिले ?

श्री एल० एन० मिश्र : जहां तक बनाने वालों को पैसा मिलने का सम्बन्ध है, भिन्न भिन्न जगहों में भिन्न भिन्न स्थिति है । कहीं पर उन को अच्छी मजदूरी मिल जाती है और कहीं नहीं भी मिलती है । इसका एक अच्छा रास्ता यह है कि उन के को-आपरेटिव्ज बनाये जायें, जो इस सामान के विक्रय आदि का काम करें । यह बात सही है कि जब तक बीच के लोग, मिडलमैन, रहेंगे, तब तक उनको जो कुछ मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता है । लेकिन यह राज्य सरकारों का काम है कि वे उन लोगों के को-आपरेटिव्ज आर्गनाइज करें और उन से काम लें । जहां तक उन लोगों के विदेशों मे जाने का सवाल है, मुझे बड़ी खुशी होगी, अगर हमारे डेलीगेशन्ज में कुछ लोग रहें । हम ने उन्हें भेजा भी है और आगे भी भेजने के लिए तैयार है । जो लोग बाहर जाना चाहेंगे, हम उन को सुविधा और मदद देंगे ।

SHRI KADAR : May I know from the Minister concerned whether we are exporting this at the prices prevailing in the local market or that we are under-selling and exporting this item ?

SHRI L. N. MISHRA : I don't think we are under-selling. We have made profit also. We give some incentives and encouragement to the exporters.

SHRI KADAR : To what extent ?

MR. SPEAKER : Next question Shri Y. P. Mandal.

Maharashtra Government's Comments on Findings of Kapur Commission on Gandhi Murder

*212. SHRI YAMUNA PRASAD MANDAL : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Government of India have since received the comments from the Maharashtra Government relating to the findings of the Kapur Commission on Gandhi murder ;

(b) if so, the main points thereof ; and

(c) the reaction of government thereto ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K. C. PANT) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The qnestion of prosecuting Shri G. V. Ketkar, who was found by

the Commission to have had prior knowledge of the conspiracy to murder Mahatma Gandhi, is under the consideration of the State Government. Those findings of the Commission, which are critical of the performance of officials, are also being examined with a view to taking appropriate action against them.

श्री यमुना प्रसाद मंडल : अध्यक्ष महोदय, यह विटनेस साक्षी नम्बर 1 थे और तीन बार उनका एविडेंस लिया गया। इन के बारे में कपूर साहब ने कहा है :

There is evidence that he belongs to the same school of thought as Nathu Ram Godse and Aptc.

कपूर साहब की इस रिपोर्ट को देखते हुए यह साफ मालूम होता है कि...

MR. SPEAKER : Ask a question.

श्री यमुना प्रसाद मंडल : क्या गृह मंत्री महाराष्ट्र की सरकार को लिखेंगे कि जिस प्रकार गाडसे पर मुकदमा चलाया गया था, उसी प्रकार इन पर भी शीघ्रातिशीघ्र मुकदमा चलाया जाये ?

SHRI K. C. PANT : The question refers to the comments of the Maharashtra Government relating to the findings of the Kapur Commission. The Commission's report itself was sent to the Maharashtra Government. In the first terms of reference, it was stated whether Shri Ketkar of Poona had prior information of the conspiracy of Nathu Ram Vinayak Godse to assasinate Mahatma Gandhi. On the first terms of reference the Commission came to a definite conclusion.

श्री बी० पी० मौर्य : अध्यक्ष महोदय, आप हिन्दी का इतना अपमान न करवायें। जो प्रश्न हिन्दी में दिया गया है, कम से कम उस का उत्तर तो हिन्दी में दिया जाना चाहिए।

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त : आयोग इस निश्चित निर्णय पर पहुंचा कि केतकर साहब की जानकारी में, जिनका नाम टर्म्ज आफ रेफरेंस में दिया गया है, यह बात थी जैसा कि मैंने कहा है, उस के बाद हम ने महाराष्ट्र सरकार को लिखा। इस बीच में लिखा-पढ़ी हुई और जनवरी में उन्होंने हम को लिखा कि वे इस बात को देख रहे है कि केतकर साहब के खिलाफ क्या कार्यवाही की जाये, उनको प्रासीक्यूट किया जाये। दूसरा प्रश्न था अफसरों के सम्बन्ध में। कपूर साहब ने विशेष रूप से एक अफसर के सम्बन्ध में कहा है। उसके बारे में भी राज्य सरकार ने कहा है कि वे जांच कर रहे है कि क्या कार्यवाही की जाये।

श्री बी० पी० मौर्य : अध्यक्ष महोदय, आप के माध्यम से मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि "नाइन आवर्स विद रामा" नाम की एक किताब महात्मा गांधी के कत्ल से संबंधित अमेरिका में लिखी गई थी जिस में उस वक्त के गृह मंत्री और कुछ और मंत्रियों के भी नाम अंकित थे, तो क्या उसकी ओर सरकार का ध्यान गया है ? यदि गया है तो उस पर क्या कार्यवाही की ?

MR. SPEAKER : That is not relevant to the main question which relates only to the comments from the Maharashtra Government.

SHRI SHANKARRAO SAVANT : Who is the official against whom the commission has passed strictures ?

SHRI K. C. PANT : Shri U. H. Rana, who was then the DIG, CID, Poona.

श्री सरजू पांडेय : कपूर कमीशन ने जो अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है उस में कुल कितने अफसरों का नाम इन्वाल्व्ड है जिन को पहले से महात्मा गांधी की हत्या के बारे में नालेज थी ? क्या उस में कुछ बड़े नेताओं का भी नाम लिया गया है जो कान्सपिरेसी में इन्वाल्व्ड थे ?

श्री कृष्ण चन्द्र पंत : मैंने उत्तर तो दे दिया है। लेकिन पहले किसी आफिसर को नालेज थी

यह तो कपूर कमीशन ने नहीं कहा है। उन्होंने यही कहा है कि जब जानकारी प्राप्त हुई तो तहकीकात या जांच करने में कोई कमी रही या क्या करना चाहिए था इस पर उन्होंने अपनी टिप्पणी दी है। इसी संबंध में तीन अफसरों का नाम उन्होंने विशेष लिया है और उन्हीं के संबंध में जांच और कार्यवाही हो रही है। उन मे से एक अफसर तो अब दुनिया में रहे नही और दो के खिलाफ कार्यवाही चल रही है।

गैर-बंगला भाषी लोगो की पूर्वी पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ

+

*213. **श्री जगन्नाथराव जोशी :**
श्री जडेजा :
श्री निहार लास्कर :

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष मार्च, अप्रैल और मई के महीनो में पूर्वी बंगाल से आये शरणार्थियो मे से बहुत से गैर-बंगला भाषी घुसपैठियो को हिरासत मे लिया गया था ; और

(ख) यदि हां, तो उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K. C. PANT): (a) and (b). The facts are being ascertained from the State Governments concerned.

श्री जगन्नाथराव जोशी : अध्यक्ष महोदय, यदि इसी तरह के जवाब मिलेंगे कि तथ्य इकट्ठे किए जा रहे है तो सवाल पूछने का फिर मतलब क्या रहा ? मेरा कहना यह है कि कम से कम ऐसी स्थिति मे जानकारी पूरी होने पर ही उत्तर दिया जाय ताकि हम सप्लीमेंट्री पूछ सकें। हमें मालूम है कि मंत्री महोदय क्वेश्चंस को टालना चाहते हैं क्योंकि बाद मे वह सदन के पटल पर सारी जानकारी रखेंगे भी तो हम उस पर सप्लीमेंट्री नहीं कर सकते हैं। तो आप ऐसा कुछ निर्देश दीजिए कि जानकारी पूरी होने पर उत्तर दें जिस में सप्लीमेंट्री हम पूछ सकें।

SHRI JYOTIRMOY BOSU : They get ten clear days' notice. Still, if they do not get the information, I do not know what we are to do.

SHRI S. M. BANERJEE : Kindly allow us to ask some supplementary questions at least.

MR. SPEAKER : There is no reply. How can there be supplementary questions now ?

श्री जगन्नाथ राव जोशी : मैं जानना चाहता हूं कि अप्रैल महीने में जो...

अध्यक्ष महोदय . उन के पास मिलाः कोई नही है। आप प्रश्न करके क्या करेंगे ?

श्री जगन्नाथ राव जोशी · आप कम से कम ऐसा निर्देश तो दे दे कि आगे ऐसा उत्तर न दिया करें...(**व्यवधान**)

श्री हुकम चन्द कछवाय : सरकार को 21 दिन का समय हम देते है फिर भी वह जानकारी नही दे सकते ।

अध्यक्ष महोदय : हमारी तो जो प्रैक्टिस है लोक सभा की हम तो रख देते है उस पीरियड के बाद। उनकी तरफ से जवाब न आये तो उस का हमारे पास क्या इलाज है ?

SHRI S. M. BANERJEE : May I have *your guidance in this matter ?.. ...*

SHRI INDRAJIT GUPTA : What is the point in giving ten days' notice ? That much of time is given just for collecting the information.

श्री कृष्ण चंद्र पंत : मैं माननीय सदस्य से निवेदन करूंगा कि जो स्थिति जमीन पर है